केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन उपचार कराने वाले व्यक्तियों की संख्या

134. **श्री हुकमदेव नारायण यादव :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन कितने व्यक्तियों का इलाज किया गया;

(ख) औषधियों की खरीद पर कुल कितना रुपया खर्च किया गया; और

(ग) उपर्युक्त अवधि के दौरान वर्ष-वार प्रति-व्यक्ति कितना खर्च किया गया?

परिवार कल्याण विभाग में उपमंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) से (ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अन्तर्गत उपचार किए गए व्यक्तियों की संख्या, दवाइयों की खरीद पर किया गया खर्च और प्रति व्यक्ति खर्च का एक विवरण संलग्न है ।

विवरण

	1982-83	1983-84	1984-85
1. सी.जी.एच.एस. के अन्तर्गत इलाज किये गये व्यक्तियों की संख्या	16652764	16973153	15875588
2. दिल्ली में सी.जी.एस.एस. के अन्तर्गत इलाज किये गये व्यक्तियों की संख्या	8649947	8740403	8011554
3. दवाइयों की खरीद पर खर्च	*912.89	†949.08	†1491.41
4. दिल्ली में दवाइयों की खरीद पर खर्च	*480.49	*516.40	*895.14
5. प्रति लाभार्थी औसत लागत	†74	†77	†94
6. दिल्ली में प्रति व्यक्ति लागत	84	83	04

नोट :—रुपये लाखों में (*)
रुपयों में (†)

अन्धापन, बहरापन, कुष्ठ, यक्ष्मा, रक्त-हीनता और यौन-रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों की संख्या

135. **श्री हुकमदेव नारायण यादव :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में अन्धापन, बहरापन, कुष्ठ, यक्ष्मा, रक्त-हीनता और यौन रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों की संख्या कितनी रही; और

(ख) इन रोगों की रोकथाम के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं ?

परिवार कल्याण विभाग में उप-मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार): (क) सूचना नीचे दी गयी है :—

(1) **दृष्टिहीनता** : भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा 1971-73 में किए सर्वेक्षण के अनुसार देश में दृष्टिहीन व्यक्तियों की संख्या अनुमानतः 90 लाख है । इस समस्या की व्यापकता को आंकने के लिए एक ताजा सर्वेक्षण करने की योजना बनाई जा रही है । इस सर्वेक्षण के पूरा होने के पश्चात् सन् 2000 ई. तक दृष्टिहीनता की व्यापकता का पता लगाना संभव हो सकता है ।

(2) **कुष्ठ रोग** : पता लगाए गए रोगियों का सर्वेक्षण करना और रोगियों द्वारा अपने को स्वयं सूचित कराना इस कार्यक्रम का मुख्य कार्य है। देश में अनुमानतः 39.6 लाख कुष्ठ रोगियों में से 31-3-1985 की स्थिति के अनुसार 32.7 लाख रोगियों को रिकार्ड किया गया है।

(3) **क्षय रोग** : नमूना सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 1.5 प्रतिशत जनसंख्या रेडियोलाजिक एक्टिव तीव्र क्षय रोगों से ग्रस्त है। पिछले तीन वर्षों के दौरान पता लगाए गए नये रोगियों और इलाज किए गए रोगियों की संख्या इस प्रकार है :—

1982-83 . . .	10.81
1983-84 . . .	12.08
1984-85 . . .	12.54

(4) **रति रोग** : 1982-84 के दौरान एस. टी. डी. क्लीनिकों में देखे गए और इलाज किए गए रोगियों की संख्या नीचे दी गयी है :—

1982 . . .	457414
1983 . . .	479599
1984 . . .	919085

(5) **बहरापन और अरक्तता** : बहरेपन और अरक्तता के कोई रिकार्ड अलग से नहीं रखे जाते हैं।

(ख) दृष्टिहीनता, कुष्ठ, क्षय रोग और रक्ति रोगों की समस्याओं पर काबू पाने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उनमूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम और सम्भोग जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किये हैं।

दिल्ली परिवहन निगम द्वारा टायरों और ट्यूबों की खरीद

136. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव** : क्या परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली परिवहन निगम द्वारा किस-किस किस्म के कितने-कितने टायर और ट्यूब खरीदे गए तथा इसी अवधि के दौरान कितने पुराने बेच दिये गए तथा कितने गायब पाये गए;

(ख) क्या यह सच है कि पुराने टायरों को रिसोलिंग करवा कर उन्हें खरीदा गया था ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में कितने व्यक्तियों को दोषी पाया गया ?

जल-भूतल परिवहन विभाग में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान, प्रत्येक वर्ष के सामने दिखाई गई मात्रा के अनुसार खरीदे गए नए टायरों और ट्यूबों का विवरण निम्नलिखित है :—

वर्ष	टायरों की संख्या	ट्यूबों की संख्या
1983-84	31835	37667
1984-85	18287	19243
1185-86	23288	313383